

ब्रज के सवइये

क्षणभंगुर जीवन की कलिका, कल प्रात को जाने खिली न खिली ।
मलयाचल की शीतल अरु मन्द, सुगन्ध समीर चली न चली ॥
Kshan bhangur jeevan kee kalikaa, kal praat ko jaane khilee na khilee
Malyaachal kee sheetal aru mand, sugandh sameer chalee na chalee

कौन जाने कि इस नश्वर जीवन की कली कल सबेरे खिले न खिले और हिमालय की ठंडी,
धीमी धीमी, सुगंधित वायु हमें प्राप्त होगी या नहीं ।
*Nobody knows for sure, if they will live to enjoy the next morning or not, or they will get to enjoy
the fresh fragrant breeze coming from the Himalayas or not. Means this human body is transient
and nobody knows when the end will come.*

कलिकाल कूठार लिए फिरता, तन कोमल चोट झिली न झिली ।
रट ले री रसना हरि नाम, तू अन्त को जानै हिली न हिली ॥
Kali kaal kuthaar liye phirta, tan komal chot jhilee na jhilee
Rat le ree rasna hari naam, tu ant ko jaane hilee na hilee

कलियुग अपनी अपनी तेज धार वाली कुल्हाड़ी को सदा तैयार रखता है ।
कौन जाने कल उसकी चोट इस कोमल शरीर से बर्दाश्त होगी या नहीं ।
*Kalyug always keeps its axe sharpened. Who knows when Kali attacks, if this fragile human body
will be capable of bearing the onslaught or not. O tongue! Keep chanting the Lord's Name while
you still can. Who knows at the time of death if you will have the ability to move or not?*

जय शरणागत वत्सल की, जय पूतना प्राण त्रिहारी की जय जय ।
ब्रजभूषण कृष्ण मुरारी की जय, जगभूषण रास बिहारी की जय जय ॥
Jai sharnagat vatsal kee, jai pootna pran trihaaree kee jai jai
Braj bhooshan Krishna murari kee jai jai, jag bhooshan raas bihaaree kee jai jai.

शरणागत पर कपा करने वाले, पूतना के प्राणों का हरण कर के उसका उद्धार करने वाले,
ब्रज के श्रृंगार स्वरूप, सारे जग के ही आभूषण स्वरूप रास बिहारी श्री कृष्ण मुरारी की जय हो ।
*Glory be to the shelter of surrendered souls, glory be to the one who killed Putna. Glory be to
Shri Krishna Murari, the one who is embellishment of Braj and of the whole world.*

Rasheshvari din rain...

जय मंजुल कुंज निकुंजन की, रस कुंज समाज विचित्र की जय जय ।
यमुना तट की, वंशी बट की, गिरिश्वर की, गिरिराज की जय जय ॥
Jay manjul kunj nikunjan kee, ras kunj samaaj vichitra ki jai jai
Yamuna tat kee vanshee vat kee, girishwar kee, giriraaj kee jai jai.

ब्रज के शीतल कुंज व निकुंजों की जय हो । कुंज में रास विलास करने वाले रसिकों के समाज की जय हो ।
यमुना के किनारे की, वंशी बट की, गिरिराज महाराज की और गिरिराज के स्वामी की जय हो ।

Glory to the kunj (flower grove) and nikunj (more private flower grove). Glory be to those fortunate beings who partake the nectar of Raas. Glory be to the banks of Yamuna, glory be to Banyan tree under which Shri Krishna plays His flute, glory be to the holder of Govardhan mountain and glory be to Govardhan mountain.

ब्रजगोपिन, गोपकुमारन की, विपिनेश्वर के सुख साज की जय जय ।
ब्रज के सब संतन भक्तन की, ब्रज मंडल की, ब्रजराज की जय जय ॥
Braj gopin, gopkumaaran kee, vinipeshwar ke sukh saaj kee jai jai
Braj ke sab santan bhaktan kee, braj mandal kee, brajraaj kee jai jai.

ब्रज गोपियों की, ब्रजके ग्वालों की, वृन्दाबनेश्वर व उनकी आनंदमयी क्रीडों की, ब्रज के संत व भक्तों की,
ब्रज मंडल और ब्रज के राजा श्रीकृष्ण की जय हो, जय हो, जय हो ॥
Glory to maidens of Braj, to the cowherds of Braj, glory to the Lord of Vrindaban and glory to His nectarian pastimes, glory to all saints and devotees of Braj, glories to land of Braj and glory to the Lord of Braj.

मन में तो बसी बस चाह यही, पिय नाम तुम्हारा उच्चार करुं ।
बिठला के तुम्हें मन मन्दिर में, मन मोहिनि रूप निहार करुं ॥
Man mein basee bas chaah yahee, piya naam tumharaa uchaaraa karoon
Bithalaa ke tumhein man mandir mein, man mohini roop nihaaraa karoon.

अब मेरी एकमात्र यही इच्छा अवशिष्ट रह गई है कि दिन रात तुम्हारा ही नाम लेता रहूँ और अपने मन के मंदिर में तुम्हारा सिंहासन बना के तुम्हारे अति मन मोहक रूपका दर्शन करते न अघाऊँ ।
My only desire is to keep pronouncing your name and to enthrone you in my mind and keep gazing at your enticing form

दग पात्र में प्रेम का जल भरि के, पद पँकज नाथ पखारा करुं ।
बन प्रेम पुजारी तुम्हारा प्रभो, नित आरती भव्य उतारा करुं ।
Drig paatra mein prem kaa jal bhari ke, pad pankaj naath pakhaaraa karoon
Ban prem pujaaree tumhaaraa prabho, nit aarti bhavya utaaaraa karoon.

नेत्रों के बर्तन में प्रेमाश्रुओं का जल भर कर आपके चरण कमलों को नित्य धोया करुं ।
आपका प्रेम पुजारी बन कर आपकी सदा आरती उतारा करुं ।
With tear filled eyes, I might uninterruptedly wash your feet. O Lord! Make me a loving devotee of Yours and I will continuously perform your aarti.

ब्रजधूरि ही पाणो से प्यारी लगे, ब्रजमंडल माहिं बसाए रहो ।
रसिकों के सुसंग में मस्त रहूँ, जग जाल सों नाथ बचाए रहो ॥
Braj dhoori hee pranoo se pyari lage, braj mandal maahin mohi basaaye raho
Rasikon ke susang mein mast rahoon, jag jaal se mohin bachaaye raho

हे कृष्ण ! ऐसी कपा करो कि ब्रज धूल ही प्राणों से अधिक प्रिय लगे । रसिकों के साथ में सदा मस्त रहूँ औरशेष जगत से मेरा कोई नाता न रहे ।
O Krishna! Bless me that I might love the dust of Braj more than my life. I might forever stay joyfully with the Rasik saints and I have nothing to do with the worldly people.

नित बाँकी ये झाँकी निहारा करुं, छवि छाक सों नाथ चकाए रहो ।
अहो बाँके बिहारी यही बिनती, मेरे नैनों से नैन मिलाए रहो ॥

Nit baanki ye jhaanki nihaaraa karoon, chhavi chhak son naath chakaaye raho
Aho baanke bihaari yahee binatee, mere nainon se nayan milaye raho.

ह मेरे बाँके बिहारी ! मेरी चाह है कि तुम अपनी बाँकी छवि के दर्शन के रस का जी भर कर पान कराते
रहो । मैं सदा आपके ही नेत्रों को अपलक देखता रहूँ । एसी कपा करो ।
*O Banke Bihari! I have this desire that I might incessantly relish your divine form. Please bless
me that I might unblinkingly look at your lotus eyes.*

तुम जान अयोग्य बिसारो मुझ, पर मैं न तुम्हें बिसराया करुं ।
गुणगान करुं, तेरा ध्यान धरुं, तुम मान करो मैं मनाया करुं ॥

Tum jaan ayogya bisaaro mujhe, par main na tumhein bisraayaa karoon
Gungaan karoon, teraa dhyaan karoon, tum maan karo mein manaayaa karoon.

मैं तुम्हारे योग्य नहीं हूँ, ऐसा जानकर तुम मुझे भले ही भुला दो मगर मेरे ऊपर ऐसी कपा करो कि मैं तुम्हे
कभी न भूलूँ । मैं तो सदा तुम्हारा गुणगान व ध्यान करते कभी न थकूँ ।
तुम रुठा करो और मैं मनाने का रस लिया करूँ ।
*You might consider me unworthy hence forget me, but bless me that I might never forget you. I
may tirelessly sing Your glories and meditate on you. When You go in the state of maan I might
enjoy gratifying You.*

तेरे ही पुजारियों की पद धूरि, मैं नित्य ही शीश चढ़ाया करुं ।
तेरे भक्त की भक्ति करुं मैं सदा, तेरे चाहने वालों को चाहा करुं ॥

Tere hee pujaariyon kee pad dhoori, main nitya hee sheesh chadhaayaa karoon
Tere bhakt kee bhakti karoon mein sadaa, tere chahane vaaloon ko chaahaa karoon.

मेरी मनोवृत्ति ऐसी बना दो कि तुम्हारे प्रेमियों की चरण रज को नित्य अपने मस्तक पर चढ़ाऊँ और तुम्हारे भक्त
ों की भक्ति कियाकरूँ । और तुमसे प्यार करने वालों को ही मैं चाहा करूँ ।
*Make my attitude such that I unabatedly apply the foot dust of your devotees on my forehead. I
might worship your saints and love only those who love you.*

बलि जाऊँ सदा इन नैनन पै, बलिहारि छटा पर होता रहूँ ।
भूलूँ न याद तुम्हारी प्रभो, चाहे जाग्रत स्वप्न मे सोता रहूँ ।

Bali jaaun sadaa in nainan pe, balihaar chhataa pe hota rahoan
Bhoolun na yaad tumhari prabhoo, chaahe jaagrat swapna mein sota rahoan

हे प्यारे कष्ण ! आपके सुंदर नैनों पर और आपकी नित्य नवीन झाँकियो पर मैं सदा न्यौछावर होता रहूँ ।
जाग्रत, स्वप्न व निद्रा में भी मैं आपको कभी न भूलूँ ।
*O my dear Shri Krishna! May I keep sacrificing myself on your beautiful eyes and your ever-new
pastimes. I might not forget You my Lord! While sleeping, dreaming or being awake.*

बस कष्ण ही कष्ण पुकारा करुं, निज असुवन सो मुख धोता रहूँ ।

ब्रजराज तुम्हारे वियोग में यू, दिन रात सदा मैं रोता रहूँ ॥
Shri krishn hee krishna pukaaraa karoon, nij asuvan son mukh dhotaa rahoon
Braj raaj tumhare viyog mein yun, din raat sadaa mein rota rahoon.

मैं सदा कषण कषण ही पुकारता रहूँ और आँसुओं से ही अपने मुख को धाता रहूँ ।
इस प्रकार है ब्रजराज ! मैं आपके विरह में सदा सर्वदा रोता ही जाऊँ ।
Due to separation from You O Lord of Braj! I might continuously call out Krishna Krishna, may I keep washing my face with my own tears and may I long for you day and night.

Deen dayal...

Tere hi aasaro...

क्षणभंगुर जीवन की कलिका, कल प्रात को जाने खिली न खिली ।
मलयाचल की शीतल अरु मन्द, सुगन्ध समीर चली न चली ॥
Kshan bhangur jeevan kee kalikaa, kal praat ko jaane khilee na khilee
Malyaachal kee sheetal aru mand, sugandh sameer chalee na chalee

कौन जाने कि इस नश्वर जीवन की कली कल सबेरे खिले न खिले और हिमालय की ठंडी,
धीमी धीमी, सुगंधित वायु हमें प्राप्त होगी या नहीं ।
Nobody knows for sure, if they will live to enjoy the next morning or not, or they will get to enjoy the fresh fragrant breeze coming from the Himalayas or not. Means this human body is transient and nobody knows when the end will come.

कलिकाल कूठार लिए फिरता, तन कोमल चोट झिली न झिली ।
रट ले री रसना हरि नाम, तू अन्त को जानै हिली न हिली ॥
Kali kaal kuthaar liye phirta, tan komal chot jhilee na jhilee
Rat le ree rasna hari naam, tu ant ko jaane hilee na hilee

कलियुग अपनी अपनी तेज धार वाली कुल्हाड़ी को सदा तैयार रखता है ।
कौन जाने कल उसकी चोट इस कोमल शरीर से बर्दाश्त होगी या नहीं ।
Kalyug always keeps its axe sharpened. Who knows when Kali attacks, if this fragile human body will be capable of bearing the onslaught or not. O tongue! Keep chanting the Lord's Name while you still can. Who knows at the time of death if you will have the ability to move or not?

प्रीति को बाण लग्यो तन पै, बदनामी को बीज मै बोय चुकी री ।
मेरो कान्ह कृवर सु तो नेह लग्यो, जिन्दगानी सो हाथ मै धोय चुकी री ॥
Preeti ko baan lagyo tan pei, badnaamee ko beej boya chukee ree
Mero kaanh kunwar su to neh lagyo, jindgaanee son haath mein dhoy chukee ree.

प्रेम का वाण तो मेरे शरीर पर चल ही चुका है । अतः अब मैं बदनामी का बीज बो चुकी हूँ ।
श्यामसुन्दर से प्रेम कर के मानोमैं अपने जीवन से ही हाथ धो चुकी हूँ ।
The arrow of love has pierced my heart, the seed of infamy has been sown. Having fallen in love with Shri Krishn, it seems I have lost my life.

Khaan Paan...

Sundar mohan...

Unchhi ataa...

Lai...

Veer shareer ki...

Jai Jai Shyama....

सुन्दर मूरति दष्टि पड़ी, जब ते जिय चञ्चल होय रहा है ।
सोच संकोच सभी जो मिटै, अरु बोल कृबोल सभी तो सहा है ॥
Sundar moorati drishti padi, jab te jiya chanchal hoye rahaa hai
Soch sankoch sabhi to mitai, aru bol kubol sabhi to saha hai

जब से श्यामसुन्दर का सुन्दर रूप देखा है, तब से मेरा मन मचल रहा है । सब विवेक और लज्जा समाप्त हो गई है । सबके अच्छे बुरे वाक्यों को सहना ही शेष रह गया है ।

Ever since I beheld the winsome form of Shri Krishna, my mind is inconsistent. All wisdom and poise is lost. Now bearing good and spiteful words of others, is all that remains.

रैन दिना मोहै चैन न आवत, नैनन सों जल जात बहा है ।
तापै कहौ सखी लाज करो, जब लागि गई तब लाज कहा है ॥
Rain dinaa mohai chain na aavat, nainan son jal jaat bahaa hai
Tapai kahau sakhi laj karo, jab laagi gayee tab laaj kahaan hai.

दिन रात चैन नहीं पड़ता । आँखों से निरन्तर आँसू ही बहते रहते हैं । ऊपर से हे सखी ! तू कहती है, लज्जा करो । एरी ! जब लगन लग गई तो लज्जा कहाँ रह जायेगी ?
I can't be at peace, be it day or night, and my eyes are constantly shedding tears. O dear friend you suggest I have decorum. Now that I am in love where is dignity?

Kaahe ko baid bulawat ho...

Chandan...

Jai Jai Shyama

ऐसे नहीं हम चाहन हारे, जो आज तुम्हे कल और को चाहे ।
आख निकाार दिये दोउ फक, जो और की ओर लखे और लखाय ॥
Aise nahin ham chahan hare, jo aaj tumhein kal aur ko chahe
Aankh nikaar diye dou phenk, jo aur kee or lakhe aur lakhaye.

हम ऐसे प्रेमी नहीं कि आज तुम्हें और बाद में किसी और को चाहने लगें । वे आँखे निकाल कर फेंक देने योग्य हैं जो प्रियतम के अलावा किसी और को देखें और दिखायें ।

I am not a promiscuous lover who changes their beloved. Those eyes are worth being popped out which after seeing you see or show anybody else.

Laakh...

लाल नेकू विनय सुनिये, नित मेरी गलिन मे आइये ना ।

आइये तो चलिये चुपके, नही वशी मधुर बजाइये ना ॥
बजाइये तो करुणा करि के, पुनि मुरली मद बजाइये ना ।
सरसाइये ना हिय प्रेम व्यथा, पुनि आइये तो फिर जाइये ना ॥
Laal neku vinay suniye, nit meri galin mein aaiye naa
Aaiye to chaliye chupke, naheen vanshi madhur bajaiye naa
Bajaiye to karunaa kari ke, puni murali mand bajaaiye naa
Sarsaaiye naa hiya prem vyatha, puni aaiye to phir jaiye naa.

हे लाल जू! मेरी आपसे यही प्रार्थना है कि आप मेरी गली में न आया करें। आ भी जाँय तो चुपचाप आयेँ अपनी मधुर मधुरमुरली की आवाज न किया करें। और यदि मुरली बजानो भी हो तो मंद मंद ध्वनि से मुरली बजा कर हमारे हृदय में प्रेम की पीड़ा को जगाइये नहीं और यदि इस प्रकार आ भी जाँय तो हे लालन!
मुझे छोड़कर फिर जाइये नहीं।

O Lal! I petition that you should not come in my alley. And if you do come then don't come stealthily. And if you come stealthily then don't play your flute. And if you play your flute then have mercy and don't play it covertly. Please don't impart piercing pain of love. And if you ever do so then please don't ever leave me after that.

Jai Jai shyama...

राधे तेरी कपा शुक ज्ञानी भये, अति ज्ञानी और ध्यानी भये मुनि मानी ।
राधे तेरी कपा विधि वेद रचे, भये व्यास पुरानन के अधिकारी ॥
Radhey teri kripaa shuk gyani bhaye, ati gyanee aur dhyani bhaye muni maanee
Radhey teri kripa vidhi ved rahein, bhaye vyaas puraanan ke adhikaari.

हे राधारानी ! शुकदेव जी आपकी ही कपा से ज्ञानी हुये । अनेकानेक श्रेष्ठ मुनि आपकी ही कपा से ज्ञानी व आपका ध्यान करने वाले बने । ब्रह्मा ने आपकी ही कपा से वेद लिखे और वेद व्यास आपकी कपा से पुरानों को प्रकट करने के अधिकारी बने ।

O Radha Rani! Sukhdev became a gyani with your blessing. Only by Your grace several devotees have become scholarly and can meditate on You. With your blessing Bramha propounded the Vedas, and Ved Vyas postulated the Puranas.

Radhey teri kripa...

Hamaro Dhan radha Radh Radha

उर ऊपर नित्य रहू लटका, अपनी बनमाल का फूल बना दो ।
लहरे जिनते टकराती रहे, कमनीय कालिन्दी का कूल बना दो ॥
Ur oopar nitya rahoon latakaa, apnee banamaalaa kaa phool banaa do
Lahrein jinte takraati rahein, kamneeya kaalindee ka kool banaa do.

आपके वक्षस्थल पर आपकी बनमाला का एक फूल बनकर मैं सदा लटकता रहूँ । हे कष्ण ! जो यमुना की सुकोमल लहरों के स्पर्श से सदा उल्लसित रहता है मुझे यमुना का वही तट बना दीजिये ।
Make me a flower in your garland and I will hang on your chest. Make me a bank of river Yanuma, which is always drenched by the waves of Yamuna river.

कर कज से थामते हो जिसको, उस वक्ष कदम्ब का फूल बना दो ।
पद पकज तेरे छयेगे कभी, ब्रजराज हमे ब्रज धूरी बना दो ॥

Kar kanj se thaamte ho jisko, us vriksh kadamb ka phool banaa do
Pad pankaj tere chhuyenge kabhi, brajraaj hamein braj dhooree banaa do.

जिस कदम्ब की डार पर आप अपने हाथ रखकर खड़े होते हैं, उसी कदम्ब का मुझे एक फूल बना दो ।
और जिस धूलि का स्पर्श कभी आपके चरण कमल करते हों, उसी ब्रज धूरि का मुझे एक कण बना दो ।
Make me a flower of the kadamb tree on which you keep your lotus hands. O Lord of Braj! Make me dust of Land of Braj, so one day I will have the fortune of being touched by your lotus feet.

जीवन है ब्रजवासिन को, वषभानु किशोरी को प्राण पियारो ।
गोपिन पीन पयोधर मोहित, नद यशोदा को वारो दुलारो ॥
Jeevan hai brajvaasin ko, vrishbhaanu kishoree ko praan piyaaro
Gopin peen payodhar mohit, nand yashoda ko vaaro dulaaro.

उस ब्रज में वास करने वालों का जीवन धन्य है, जो वृषभानु नंदिनी को प्राणों से अधिक प्रिय है और जहाँ
गोपाङ्गनाओं के भारयुक्त स्तनों से मोहित नंद व यशोदा के दुलारे श्रीकृष्ण का नित्य निवास है ।
Blessed are the dwellers of Braj, who are dearer to daughter of Vrishbhanu Shri Radha than her own life. Shri Krishna, the darling of Yashoda and Nand, is smitten by large bosoms of the maidens of Braj. Blessed are those maidens of Braj.

Tedhan ko....

Ati heri hamare...

Nandlal ju...

Hamaro dhan Radha Radha Radha
